

'गोदान' - अतिलघु प्रश्नोत्तरी

- प्र० 1. प्रेमचन्द को किस उपाधि से विभूषित किया गया है ?
उत्तर. प्रेमचन्द को 'उपन्यास सम्राट' कहा जाता है।
- प्र० 2. प्रेमचन्द का प्रथम उपन्यास (उर्दू में) कौन सा है जो आगे चलकर प्रेमा नाम से अनुदित किया गया ?
उत्तर. 'हम खुर्मा व हम सवाब' प्रेमचन्द का प्रथम उपन्यास है जो 'प्रेमा' नाम से हिन्दी में अनुदित किया गया।
- प्र० 3. प्रेमचन्द का सर्वप्रथम हिन्दी उपन्यास कौन-सा है ?
उत्तर. सेवासदन प्रेमचन्द का सर्वप्रथम हिन्दी उपन्यास है। इसका प्रकाशन वर्ष सन् 1919 है।
- प्र० 4. होरी का गोदान कितने रूप का है ?
उत्तर. होरी का गोदान 'सवा रूप' का है।
- प्र० 5. गोदान में मेहता की क्या उपयोगिता है ?
उत्तर. गोदान में भिन्न मेहता प्रेमचन्द के प्रवक्ता हैं। अपनी वैचारिकता को प्रेमचन्द ने मेहता के माध्यम से व्यक्त किया है।
- प्र० 6. आदर्शोन्मुख मधार्थवाद का क्या अर्थ है ?
उत्तर. साहित्य में ऐसे मधार्थ का चित्रण करना जो आदर्श की ओर उन्मुख हो; आदर्शोन्मुख मधार्थ कहलाता है। ऐसा मधार्थ चित्रण जो आदर्श एवं मर्दा की स्थापना करता हो।
- प्र० 7. प्रेमचन्द के किन्ही पाँच उपन्यासों के नाम लिखिए।
उत्तर. गोदान, सेवासदन, प्रेमाञ्जलि, रंगभूमि, एवं निर्मला।
- प्र० 8. 'कलम का सिपाही' नामक ग्रन्थ में किसकी जीवनी लिखी गई है ?
उत्तर. प्रेमचन्द की जीवनी।